

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2009

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. कम से कम चार ऐसे योगों, जो निम्न जन्मांग में हो, के फल की चर्चा करें।
लग्न कुम्भ 10:53, सूर्य तुला 07:33, चन्द्र धनु 16:58, मंगल वृश्चिक 17:46, बुध वृश्चिक 00:49, बृहस्पति कन्या 16:32, शुक्र वृश्चिक 22:10, शनि मकर 16:51, राहु कुम्भ 03:21 (24.10.1933, 14:15, पुरी)
2. कर्म क्षेत्र के लिए किन तथ्यों को देखा जाता है? उपरोक्त जन्मांग में कार्य क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
3. किन्हीं चार पर संक्षिप्त में लिखें :-
i) श्रीकान्त योग ii) भावात् भावम्
iii) वसुमान/वसुमति योग iv) योग कब फल देते हैं।
v) सप्त वर्ग में विमसोपाक बल
4. किन्हीं चार का संक्षिप्त में उत्तर दें :-
i) किस वर्ग कुण्डली से संतान, पौत्र व उनकी सम्पन्नता आदि देखी जाती है?
ii) नवाश कुण्डली से कौन से पहलु देखे जाते हैं?
iii) मंगल की तृतीय भाव स्थिति के क्या सामान्य फल होते हैं?
iv) लक्ष्मी योग के क्या फल हैं?
v) धन सम्पत्ति के लिए कौन कौन से भावों का अवलोकन करना चाहिए?
5. निम्न का उत्तर दें :-
i) पंचम व नवम भाव का महत्व
ii) राहु के नक्षत्र में जन्मे जातकों के गुण

भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्न दशाओं के सामान्य फल बताएं :-
i) यदि बृहस्पति चतुर्थ भाव स्थित हो
ii) यदि सूर्य सप्तम भाव में
iii) यदि राहु लाभ भाव में
iv) यदि शुक्र व्यय भाव में
7. प्रश्न 1 में दिए जन्मांग में शुक्र की महादशा में सभी अन्तर दशाओं के फल बताएं।
8. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
i) निरणय मूर्ति सिद्धान्त
ii) मंगल महादशा में सभी अन्तर दशाओं के फल
iii) वेध, विपरित वेध और वाम वेध के नियम
9. बृहस्पति के परयाय फलों पर चर्चा करें
10. कन्या राशि में शनि के गोचर का सभी राशियों पर क्या प्रभाव पड़ता है?